INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान CET

Graduation Level

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग

भाग - 5

हिंदी + अंग्रेजी + कंप्यूटर

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**राजस्थान CET (स्नातक स्तर)** को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर (RSSB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**राजस्थान CET (स्नातक स्तर)" की** परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/29dvxg

Online Order करें - https://rb.gy/8kw806

मूल्य : ₹

संस्करण : नवीनतम

हिंदी

1. सन्धि और सन्धि विच्छेद 1
2. संज्ञा 8
3. सर्वनाम 12
4. विशेषण और विशेष्य 14
5. क्रिया एवं क्रियाविशेषण 16
6. कारक 18
7. अव्यय (अविकारी शब्द) 19
8. सामासिक पदों की रचना और समास- विग्रह 23
9. उपसर्ग 37
10. प्रत्यय 39
11. विलोम शब्द 43
12. पर्यायवाची शब्द 50
13. अनेकार्थक शब्द 53
14. विराम चिह्न 55
15. हिंदी वर्णमाला (ध्वनि एवं उसका वर्गीकरण) 57
16. अंग्रेजी के पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द 59
17. शब्द - शुद्धि 71
18. वाक्य - शुद्धि 75
19. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 80
20. राजभाषा हिंदी - संवैधानिक स्थिति 87
21. कार्यालय पत्र 89

English

1. Article 93
2. Time And Tense 106

3. Active And Passive Voice 117
4. Direct & Indirect Narration 124
5. Preposition 129
6. Translation From English to Hindi 142
7. Antonyms / Synonyms 150
8. Comprehension of a given passage 162
9. Glossary of Ofical,Technical Terms(with their hindi versions) 174
10. Letter Writing 186
11. Idioms and Phrases 189
12. One Word Substitution 194

कम्प्यूटर

1. कम्प्यूटर का विकास 203
2. कम्प्यूटर मैमोरी 205
3. इनपुट और आउटपुट युक्तियाँ 211
4. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर 220
5. वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर 233
6. माइक्रोसॉफ्ट पॉइंट 238
7. स्प्रेड शीट सॉफ्टवेयर 241
8. Abbreviation 246

अध्याय – 1
सन्धि

- **संधि का अर्थ होता है** - मेल और विलोम - विग्रह।
- आपसी निकटता के कारण दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को संधि कहते हैं।

जैसे - हिम + आलय = हिमालय

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

निः + धन = निर्धन

संधि विच्छेद- संधि नियमों द्वारा बने शब्दों को तोड़कर पुनः मूल रूप में लाना संधि विच्छेद कहलाता है।

उदाहरण- विद्यार्थी – विद्या+अर्थी

देवागमन- देव+आगमन

संधि के भेद

संधि के प्रथम वर्ण के आधार पर संधि को तीन भागों में बांटा गया है।

संधि का पहला वर्ण यदि स्वर वर्ण (मत+अनुसार=मतानुसार) हो तो स्वर संधि, पहला वर्ण व्यंजन वर्ण (सत्+जन=सज्जन) हो तो व्यंजन संधि और पहला वर्ण यदि विसर्गयुक्त (मनः+योग=मनोयोग) हो तो विसर्ग संधि होती है।

1. स्वर संधि
2. व्यन्जन संधि
3. विसर्ग संधि

1. स्वर संधि

परस्पर स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

जैसे - देव + आलय = देवालय

रमा + ईश = रमेश

एक + एक = एकैक

यदि + अपि = यद्यपि

भौ + उक = भावुक

स्वर संधि के भेद –

i. दीर्घ संधि
ii. गुण संधि
iii. वृद्धि संधि
iv. यण संधि
v. अयादि संधि

i. दीर्घ संधि –

नियम - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर [अ इ उ] के बाद समान ह्रस्व [अ इ उ] या दीर्घ स्वर आए तो दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।

जैसे-युग् + अन्तर - युगान्तर

युग् अ + अन्तर

युग् आन्तर

युगान्तर

युग् आन्तर

युग् अ + अन्तर

युग + अन्तर

जैसे-हिम + आलय = हिमालय

हिम् आ लय

हिम् अ + आलय

हिम + आलय

जैसे -राम + अवतार = रामावतार

तथा + अपि = तथापि

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र

(मुनियों में श्रेष्ठ है जो - विश्वामित्र)

कपि + ईश = कपीश

(हनुमान, सुग्रीव)

लघु + उत्तम = लघूत्तम

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि (छोटी लहर)

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

सु + उक्ति = सूक्ति

कटु + उक्ति = कटूक्ति

चमू + उत्थान = चमूत्थान

(चमू = सेना)

गुरु + उपदेश = गुरुपदेश

वधू + उत्सव = वधूत्सव

(वधू - जिसकी शादी की तैयारियां चल रही हो)

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

विद्या + आलय = विद्यालय

पंच + अमृत = पंचामृत

स्व + अधीन = स्वाधीन

दैत्य + अरि = दैत्यारि

(देवता इन्द्र विष्णु) (अरि- शत्रु या विरोधी)

मुर +अरी= मुरारी (मुर= राक्षस)

सत्य + अर्थी = सत्यार्थी

प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद

प्र + आंगन = प्रांगण

शश + अंक = शशांक (चन्द्रमा) [शश = खरगोश, अंक: गोद]

महती + इच्छा = महतीच्छा

फणी + ईश = फणीश (शेषनाग)

रजनी + ईश = रजनीश (चन्द्रमा)

अ+अ= आ / अ+आ= आ

धर्म + अर्थ = धर्मार्थ

वीर+अंगना =वीरांगना

देव+आलय= देवालय

नव+आगत= नवागत

आ+अ= आ / आ+आ= आ

विद्या+अर्थी= विद्यार्थी

सीमा+अंत= सीमांत

महा+आनंद= महानंद

विद्या+आलय= विद्यालय

इ+इ= ई / इ+ई=ई

रवि+इन्द्र= रवींद्र

अति+इव= अतीव

हरि+ईश= हरीश

परि+ईक्षा= परीक्षा

ई+इ= ई / ई+ई=ई

योगी+इंद्र= योगीन्द्र

मही+इंद्र= महींद्र

नदी+ईश= नदीश

सती+ईश= सतीश

उ+उ=ऊ / उ+ऊ= ऊ

सु+उक्ति= सूक्ति

लघु+उत्तम= लघूत्तम

लघु+ऊर्मि= लघूर्मि

धातु+ऊष्मा= धातूष्मा

ऊ+उ= ऊ / ऊ+ऊ= ऊ

भू+उत्सर्ग= भूत्सर्ग

वधू+उपकार= वधूपकार

वधू+ऊर्मी= वधूर्मी

<u>दीर्घ संधि की पहचान</u> –

दीर्घ संधि युक्त शब्दों में अधिकांशत: आ, ई, ऊ की मात्राएँ आती है और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

शक + अन्धु = शकन्धु
कर्क + अन्धु = कर्कन्धु
पितृ + ऋण = पितृण
मातृ + ऋण = मातृण
} अपवाद

विश्व + मित्र = विश्वामित्र
मूसल + धार = मूसलाधार
मनम् + ईषा = मनीषा
युवत् + अवस्था = युवावस्था
} अपवाद

(ii) <u>गुण संधि</u> -

<u>नियम (1)</u> - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है अर्थात्
अ/आ + इ/ई = ए = ऐ

<u>नियम (2)</u> - यदि अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है अर्थात्
अ/आ + उ /ऊ = ओ = औ

<u>नियम (3)</u> - यदि अ/आ के बाद ऋ आये तो दोनों के स्थान पर 'अर्' हो जाता है हो जाता है। अर्थात

अ/आ + ऋ = अर्

	ए	ओ	+ अर्	= गुण
अ	इ	उ	ऋ	
+	+	+	+	
अ	इ	उ	ऋ	
=	=	=	=	
आ	ई	ऊ	x	- दीर्घ

जैसे - गज + इन्द्र = गजेन्द्र

गज् + अ + इन्द्र

गज् एन्द्र

गजेन्द्र

गज् ए न्द्र

गज् अ + इन्द्र

गज + इन्द्र

जैसे - मृग + इन्द्र = मृगेन्द्र (शेर)

रमा + ईश = रमेश

(लक्ष्मी का पति है जो = विष्णु)

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

वाक् + मय = वाङ्मय

षट् + मुख = षण्मुख

उत् + नति = उन्नति

चित् + मय= चिन्मय

उत् + मूलन = उन्मूलन

षट् + मास = षण्मास

नियम (3)-

यदि म् के बाद स्पर्श वर्ण आए तो म् को स्पर्श वर्ण के अन्तिम वर्ण में बदल देते हैं। यदि अन्तः स्थ, ऊष्म या संयुक्त वर्ण आए तो म् को अनुस्वार में बदल देते हैं और यदि कोई स्वर आए तो दोनों को जोड़ देते हैं।

सम् + जय = सञ्जय

सम् + तोष = सन्तोष — सम् = संस्कृत

सम् + ताप = सन्ताप — सम् = हिन्दी

मृत्युम् + जय = मत्युञ्जय — संधि युक्त पद नहीं बनता

आलम् + कार = आलङ्कर

सम् + आचार = समाचार

सम् - उच्चय = समुच्चय

सम् + कल्प = संकल्प

उपसर्ग में संधि के सभी नियम काम करते हैं।

सम् + गम = सङ्गम

सम् + सार = संसार

सम् + वाद = संवाद

सम् + हार = संहार

सम् + ज्ञा = संज्ञा

सम् + यम = संयम

सम् + युक्त = संयुक्त

सम् + लग्न = संलग्न

नियम (4)- यदि स् या त वर्ग के बाद श् या च वर्ग आए तो स् के स्थान पर श् तथा त वर्ग के स्थान पर क्रमशः च वर्ग हो जाता।

स् → श्

त् → च्

थ् → छ

द् → ज्

ध् → झ्

न → ञ्

जैसे - निस् + चिन्त = निश्चिन्त

उत् + चारण = उच्चारण

दुस् + शासन = दुश्शासन

सत् + जन = सज्जन (सद् + जन)

उद् + ज्वल = उज्वल (उद् + ज्वल)

सत् + चित् + आनन्द = सच्चिदानन्द

नियम (5)- यदि त् के बाद ह् वर्ण आए तो त् के स्थान पर द् तथा ह् के स्थान पर ध् हो जाता है।

उद् + हार = उद्धार

पद् + दति = पद्धति

तद् + हित =तद्धति

उद् + हव =उद्धव

स्वर + छ → स्वर + च् + छ

जैसे - वि + छेद = विच्छेद

अनु + छेद = अनुच्छेद

आ + छादन = आच्छादन

यह संधि के नियम के अपवाद हैं

प्रति + छेद = प्रतिच्छेद

तरु + छाया = तरुच्छाया

वृक्ष + छाया =वृक्षच्छाया

लक्ष्मी + छाया = लक्ष्मीच्छाया

नियम (6)- यदि किसी स्वर के बाद स् तथा थ् वर्ण आए तो स् के स्थान पर ष तथा थ् के स्थान पर ठ हो जाता है।

स्वर + स् + थ् स्वर → स्वर + ष + ठ

जैसे - अनु + स्था = अनुष्ठा

प्रति + स्था = प्रतिष्ठा

अनु + स्थान = अनुष्ठान

प्रति + स्थान = प्रतिष्ठान

नि + स्थुर = निष्ठुर

प्रति + स्थित = प्रतिष्ठित

युधि + स्थित = युधिष्ठिर

(युद्ध में स्थिर होता है वह)

(3) विसर्ग संधि –

विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

जैसे - निः + आहार = निराहार

अध्याय – 8

सामासिक पदों की रचना और समास – विग्रह

⇒ **समास का शाब्दिक अर्थ** - जोड़ना या मिलाना। अर्थात समास प्रक्रिया में दो या दो से अधिक शब्दों को आपस में मिलाकर एक शब्द बनाया जाता है!

⇒ दो अथवा दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए नए सार्थक शब्द को समास कहते हैं।

⇒ **समस्त पद (सामासिक पद)**-समास के नियमों का पालन करते हुए जो शब्द बनता है उसे समास पद या सामासिक,पद कहते हैं।

⇒ समस्त पद के सभी पदों को अलग अलग किए जाने की प्रक्रिया को समास विग्रह कहलाती हैं।

⇒ समास वह शब्द रचना है जिसमें अर्थ की दृष्टि से परस्पर स्वतंत्र सम्बन्ध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द मिलकर किसी अन्य स्वतंत्र शब्द की रचना करते हैं। सामासिक शब्द में आए दो पदों में पहले पद को पूर्वपद तथा दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं। ।

जैसे:-

गंगाजल गंगाजल - गंगा का जल

गंगा जल गंगा जल

(पूर्वपद) (उत्तरपद) (समस्त पद) (समास विग्रह)

कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रस्तुत कर देना ही समास का प्रमुख उद्देश्य होता है।

समास 6 प्रकार के होते हैं

समास के प्रकार Types Of Compound

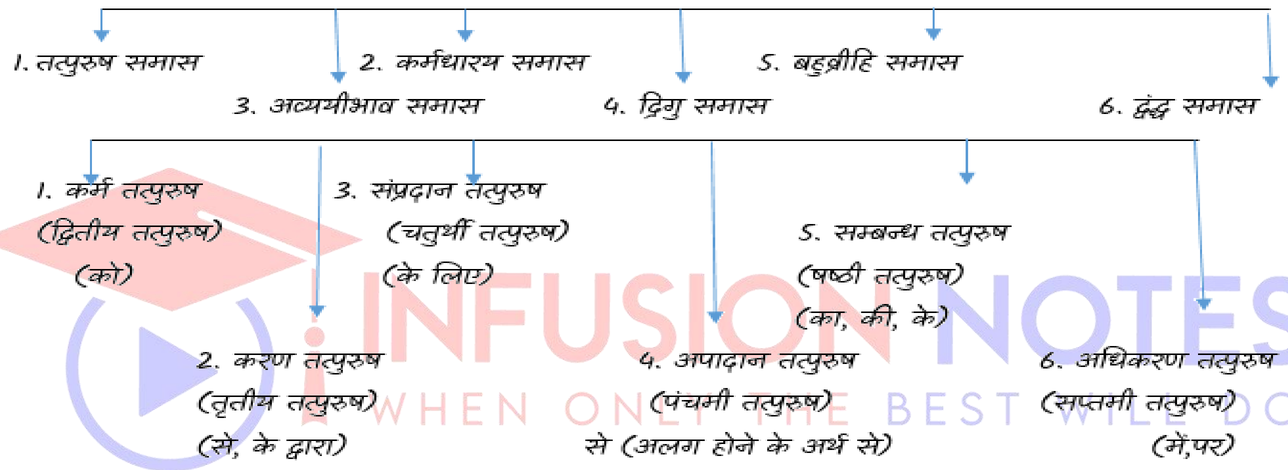

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

पद की प्रधानता के आधार पर समास का वर्गीकरण

(क) पूर्वपद प्रधान –अव्ययीभाव

(ख) उत्तर पद प्रधान - तत्पुरुष, कर्मधारय और दिगु

(ग) दोनों पद प्रधान-द्वन्द्व

(घ) दोनों पद अप्रधान - बहुव्रीहि (इसमें कोई तीसरा अर्थ प्रधान होता है)

नोट:

भारतीय भाषा में कुछ ऐसे शब्द हैं जिनके रुप में लिंग, वचन के अनुसार परिवर्तन या विकार उत्पन्न नहीं होता है, उन्हें अव्यय शब्द या अविकारी शब्द कहते हैं।

अर्थात ऐसे शब्द जिनका व्यय ना हो, उन्हे अव्यय शब्द कहते हैं।

जैसे – यथा, तथा, यदा, कदा, आ, प्रति, जब, तब, भर, यावत, हर आदि।

(1) अव्ययीभाव समास Adverbial Compound

जिस समास में पहला पद अर्थात पूर्वपद प्रधान तथा अव्यय होता है, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

पहचान- सामासिक पद (समस्त पद) मे यथा, आ, अनु, प्रति, भर, तथा, यदा, कदा, जब, तब, यावत, हर आदि शब्द आते हैं।

समस्त पद		विग्रह
आजन्म	-	जन्म से लेकर
आमरण	-	मरने तक
आसेतु	-	सेतु तक
आजीवन	-	जीवन भर
अनपढ़	-	बिना पढ़ा
आसमुद्र	-	समुद्र तक
अनुरुप	-	रुपके योग्य
अपादमस्तक	-	पाद से मस्तक तक
यथासंभव	-	जैसा सम्भव हो / जितना सम्भव हो सके
यथोचित	-	उचित रुप में / जो उचित हो
यथा विधि	-	विधि के अनुसार

यथामति	-	मति के अनुसार
यथाशक्ति	-	शक्ति के अनुसार
यथानियम	-	नियम के अनुसार
यथाशीघ्र	-	जितना शीघ्र हो
यथासमय	-	समय के अनुसार
यथासामर्थ	-	सामर्थ के अनुसार
यथाक्रम	-	क्रम के अनुसार
प्रतिकूल	-	इच्छा के विरुद्ध
प्रतिमाह	-	प्रत्येक -माह
प्रति दिन	-	प्रत्येक - दिन
भरपेट	-	पेट भर के
हाथों हाथ	-	हाथ ही हाथ में / (एक हाथ से दूसरे हाथ)
परम्परागत	-	परम्परा के अनुसार
थल - थल	-	प्रत्येक स्थान पर
बोटी – बोटी	-	प्रत्येक बोटी
नभ –नभ	-	पूरे नभ में
रंग - रंग	-	प्रत्येक रंग के
मीठा – मीठा	-	बहुत मीठा
चुप्प –चुप्प	-	बिल्कुल चुपचाप
आगे- आगे	-	बिल्कुल आगे
गली – गली	-	प्रत्येक गली
दूर - दूर	-	बिल्कुल दूर
सुबह - सुबह	-	बिल्कुल सुबह
एकाएक	-	एक के बाद एक
दिनभर	-	पूरे दिन
दो – दो	-	दोनों दो । प्रत्येक दोनों
रोम– रोम	-	पूरे रोम मे
नए – नए	-	बिल्कुल नए
हरे - हरे	-	बिल्कुल हरे
बारी – बारी	-	एक एक करके / प्रत्येक करके
बे – मारे	-	बिना मारे
जगह – जगह	-	प्रत्येक जगह
मील – भर	-	पूरे मील
गरमागरम	-	बहुत गरम
पतली-पतली	-	बहुत पतली
हफ्ता भर	-	पूरे हफ्ते
प्रति एक	-	प्रत्येक
एक - एक	-	हर एक / प्रत्येक
धीरे – धीरे	-	बहुत धीरे
अलग-अलग	-	बिल्कुल अलग

मनचाहे	-	मन के अनुसार
छोटे – छोटे	-	बहुत छोटे
भरे - पूरे	-	पूरा भरा हुआ
जानलेवा	-	जान लेने वाली
दूरबीन	-	दूर देखने वाली
सहपाठी	-	साथ पढ़ने वाला / वाली
खुला – खुला	-	बहुत खुला
कोना-कोना	-	सारा कोना
मात्र	-	केवल एक
भरा-भरा	-	बहुत भरा
शुरू – शुरू	-	बहुत आरंभ/शुरू में
अंग- अंग	-	प्रत्येक अंग
अहेतुक	-	बिना किसी कारण के
प्रतिवर्ष	-	वर्ष – वर्ष /हर वर्ष
छातीभर	-	छाती तक
बार-बार	-	बहुत बार
देखते - देखते	-	देखते ही देखते
एकदम	-	अचानक से
रात-रात	-	पूरी रात भर
सालों-साल	-	बहुत साल
रातों-रात	-	बहुत रात
ड़रा – ड़रा	-	बहुत ड़रा
तरह- तरह	-	बहुत तरह के
भरपूर	-	पूरा भर के
सालभर	-	पूरे साल
घर-घर	-	प्रत्येक घर
नए-नए	-	बिल्कुल नए
घूमता- घूमता	-	बहुत घूमता
बेशक	-	बिना शक के
अलग-अलग	-	बिल्कुल अलग
अकारण	-	बिना कारण के
घड़ी-घड़ी	-	हर घड़ी
पहले-पहले	-	सबसे पहले
भरसक	-	पूरी शक्ति से
बखूबी	-	खूबी के साथ
नि: सन्देह	-	सन्देह के बिना
बेअसर	-	असर के बिना
सादर	-	आदर के साथ
बेकाम	-	बिना काम के
अनजान	-	बिना जाने
प्रत्यक्ष	-	आँख के सामने

समस्त पद		विग्रह
धनहीन	-	धन से हीन
गुणहीन	-	गुण से हीन
जलहीन	-	जल से हीन
आवरणहीन	-	आवरण से हीन
कर्महीन	-	कर्म से हीन
नेत्रहीन	-	नेत्र से हीन
वाक्यहीन	-	वाक्य से हीन
भाषाहीन	-	भाषा से हीन
संगीहीन	-	संगी से हीन
पथभ्रष्ट	-	पथ से भ्रष्ट (भ्रष्ट-बिगड़ा हुआ, नीचे गिरा हुआ)
पदच्युत	-	पद से च्युत
देशनिकाला	-	देश से निकाला
ऋणमुक्त	-	ऋण से मुक्त
पापमुक्त	-	पाप से मुक्त का
जीवनमुक्त	-	जीवन से मुक्त
पदमुक्त	-	पद से मुक्त
अभियोगमुक्त	-	अभियोग से मुक्त
कर्तव्य विमुख	-	कर्तव्य से विमुख (विमुख-वंचित)
आशातीत	-	आशा से अतीत
धर्मभ्रष्ट	-	धर्म से भ्रष्ट (भ्रष्ट-बिगड़ा हुआ, आचरणहीन, नीचे गिरा हुआ)
धर्म विमुख	-	धर्म से विमुख
बन्धन मुक्त	-	बन्धन से मुक्त
पापोद्धार	-	पाप से उद्धार
अपराधमुक्त	-	अपराध से मुक्त
रोगमुक्त	-	रोग से मुक्त
जातिभ्रष्ट	-	जाति से भ्रष्ट (भ्रष्ट- बिगड़ा, आचरणहीन)
आकाशवाणी	-	आकाश से वाणी
जलरिक्त	-	जल से रिक्त
गर्वशून्य	-	गर्व से शून्य
धर्मविरत	-	धर्म से विरत
त्रुटिहीन	-	त्रुटि से हीन
वीरविहीन	-	वीर से हीन

[v] संबंध तत्पुरुष समास (षष्ठी तत्पुरुष) :- जिस तत्पुरुष समास मे संबंध कारक की विभक्ति 'का', 'की', 'के' लुप्त हो जाती है, वहाँ संबंध तत्पुरुष समास होता है।
जैसे :-

समस्त पद	-	विग्रह
राजपुत्र	-	राजा का पुत्र
राजाज्ञ	-	राजा की आज्ञा
पराधीन	-	पर के अधीन
राजकुमार	-	राजा का कुमार
देवरक्षा	-	देव की रक्षा
शिवालय	-	शिव का आलय (आलय = घर)
गृहस्वामी	-	गृह का स्वामी
विद्यासागर	-	विद्या का सागर
लोकतंत्र	-	लोगों का तंत्र
ईश्वर-भक्त	-	ईश्वर का भक्त
राजदूत	-	राजा का दूत
राजसभा	-	राजा की सभा
लखपति	-	लाखों (रुपयों) का पति
जलधारा	-	जल की धारा
क्षमादान	-	क्षमा का दान
मताधिकार	-	मत का अधिकार
भारत रत्न	-	भारत का रत्न
मृत्युदंड	-	मृत्यु का दंड
स्वतन्त्र	-	स्व का तन्त्र
देव मूर्ति	-	देव की मूर्ति
गंगा - तट	-	गंगा का तट
अमृतधारा	-	अमृत की धारा
गणपति	-	गण का पति (गणेश)
राजकन्या	-	राजा की कन्या
गंगाजल	-	गंगा का जल
राजपुरुष	-	राजा का पुरुष
घुड़दौड़	-	घोड़ों की दौड़
राजरानी	-	राजा की रानी
पर्णशाला	-	पर्ण की शाला
राष्ट्रपति	-	राष्ट्र का पति
लोकसभा	-	लोगों की सभा
सेनाध्यक्ष	-	सेना का अध्यक्ष
देशप्रेम	-	देश का प्रेम
मातृशक्ति	-	माता की शक्ति
आत्मसम्मान	-	आत्मा का सम्मान
जलापूर्ति	-	जल की आपूर्ति
स्वलेख	-	स्व का लेख
आत्मरक्षा	-	आत्मा की रक्षा
प्रजापति	-	प्रजा का पति
सेनापति	-	सेना का पति
श्रमदान	-	श्रम का दान
देशसेवक	-	देश का सेवक
उद्योगपति	-	उद्योग का पति

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 17

शब्द – शुद्धि

भाषा में शुद्ध उच्चारण के साथ शुद्ध वर्तनी का भी महत्त्व होता है। अशुद्ध वर्तनी से भाषा का सौन्दर्य तो नष्ट होता ही है, कहीं कहीं तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है। वर्तनी अशुद्धि के कई कारण हो सकते हैं यथा-

1. स्वरागम के कारण :- निम्न शब्दों में किसी वर्ण के साथ अनावश्यक स्वर प्रयुक्त हो जाने से वर्तनी अशुद्ध हो जाती है अतः उसे हटा कर वर्तनी शुद्ध की जा सकती है।

अशुद्ध वर्तनी	=	शुद्धवर्तनी
अत्याधिक	=	अत्यधिक
आधीन	=	अधीन
अभ्यार्थी	=	अभ्यर्थी
अनाधिकार	=	अनधिकार
अहिल्या	=	अहल्या
दुरावस्था	=	दुरवस्था
श्मशान	=	श्मशान
गत्यावरोध	=	गत्यवरोध
प्रदर्शिनी	=	प्रदर्शनी
द्वारिका	=	द्वारका
वापिस	=	वापस
घुटना	=	घुटना
व्यौपारी	=	व्यापारी
भागीरथ	=	भगीरथ

2. स्वरलोप के कारण : उचित स्वर के अभाव के कारण

आखरी	=	आखिरी
आप्लवित	=	आप्लावित
कुटम्ब	=	कुटुम्ब
दुगनी	=	दुगुनी
जलूस	=	जुलूस
बदाम	=	बादाम
मैथली	=	मैथिली
विपन्नवस्था	=	विपन्नावस्था
अगामी	=	आगामी
सतरंगनी	=	सतरंगिनी
गोरव	=	गौरव
युधिष्ठर	=	युधिष्ठिर
महात्म्य	=	माहात्म्य
अश्रक्षरी	=	अश्राक्षरी
आजीवका	=	आजीविका
फिटकरी	=	फिटकिरी
कुमुदनी	=	कुमुदिनी
विरहणी	=	विरहिणी
स्वस्थ्य	=	स्वास्थ्य
वाहनी	=	वाहिनी
वयवृद्ध	=	वयोवृद्ध
पारितोषक	=	पारितोषिक
मुकट	=	मुकुट
भगीरथी	=	भागीरथी
अजानु	=	आजानु
अष्टवक्र	=	अष्टावक्र
उन्नतशील	=	उन्नतिशील
जमाता	=	जामाता
अतिश्योक्ति	=	अतिशयोक्ति
नृत्यंगना	=	नृत्यांगना
मुकन्द	=	मुकुन्द
लोकिक	=	लौकिक

3. व्यंजनागम के कारण : शब्द में अनावश्यक व्यंजन के प्रयुक्त हो जाने से भी वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

अवन्नति	=	अवनति
प्रज्वलित	=	प्रज्वलित
बुद्धवार	=	बुधवार
अन्तर्ध्यान	=	अन्तर्धान
सदृश्य	=	सदृश
पूज्यनीय	=	पूजनीय
निश्च्छल	=	निश्छल
श्राप	=	शाप
समुन्द्र	=	समुद्र
निद्रित	=	निन्द्रित
केन्द्रीयकरण	=	केन्द्रीकरण
कृत्तिया	=	कृतिया
शुभेच्छुक	=	शुभेच्छु
गोवर्द्धन	=	गोवर्धन
कृत्य-कृत्य	=	कृत-कृत्य
षष्ठम्	=	षष्ठ

4. व्यंजन लोप के कारण : किसी वर्तनी में व्यंजन के न लिखने पर वर्तनी अशुद्ध हो जाती है।

अध्यन	=	अध्ययन
ईर्ष्या	=	ईर्षा
उमीदवार	=	उम्मीदवार
तदन्तर	=	तदनन्तर
व्यंग	=	व्यंग्य
सामर्थ	=	सामर्थ्य
उछृंखल	=	उच्छृखल
द्वन्द	=	द्वन्द्व
उद्देश	=	उद्देश्य
उत्पन	=	उत्पन्न
महत्व	=	महत्त्व
समुनयन	=	समुन्नयन
समुचय	=	समुच्चय
मिष्टान	=	मिष्टान्न
इन्द्रा	=	इन्दिरा

294. मक्खीचूस होना = बहुत कंजूस होना
295. मुँह पर हवाइयाँ उड़ना = चेहरा फक पड़ जाना
296. मन मसोस कर रह जाना = इच्छा को रोकना
297. मुँह काला करना = कलंकित होना
298. मुँह की खाना = बातों में हारना/अपमानित होना
299. मुँह तोड़ जवाब देना = कठोर शब्दों में कहना
300. मन मारना = उदास होना/इच्छाओं पर नियंत्रण

लोकोक्तियाँ

1. अपना रख, पराया चख = अपना बचाकर दूसरों का माल हड़प करना
2. अपनी करनी पार उतरनी = स्वयं का परिश्रम ही काम आता है।
3. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता = अकेला व्यक्ति शक्ति हीन होता है।
4. अधजल गगरी छलकत जाए = ओछा आदमी अधिक इतराता है।
5. अंधों में काना राजा = मूर्खो में कम ज्ञान वाला भी आदर पाता है।
6. अंधे के हाथ बटेर लगना = अयोग्य व्यक्ति को बिना परिश्रम संयोग से अच्छी वस्तु मिलना
7. अंधा पीसे कुत्ता खाय = मूर्खों की मेहनत का लाभ अन्य उठाते हैं
असावधानी से अयोग्य को लाभ
8. अब पछताये होत क्या, जब चिड़िया = अवसर निकल जाने पर पछताने से कोई लाभ चुग गई खेत नहीं
9. अन्धे के आगे रोवे अपने नैना खावें = निर्दय व्यक्ति या अयोग्य व्यक्ति से सहानुभूति की पेक्षा करना व्यर्थ है
10. अपनी गली में कुत्ता भी शेर होता है = अपने क्षेत्र में कमजोर भी बलवान बन जाता है।
11. अन्धेर नगरी चौपट राजा = प्रशासन की अयोग्यता से सर्वत्र अराजकता आ ना।
12. अन्धा क्या चाहे दो आँखें = बिना प्रयास वांछित वस्तु का मिल जाना।
13. अक्ल बड़ी या भैंस = शारीरिक बल से बुद्धिबल श्रेष्ठ होता है।
14. अपना हाथ जगन्नाथ = अपना काम अपने ही हाथों ठीक रहता है।
15. अपनी-अपनी ड़पली अपना-अपना राग = तालमेल का अभाव/ सबका अलग-अलग मत ना/एकमत क अभाव
16. अंधा बाँटे रेवडी फिर-फिर अपनों को देय = स्वार्थी व्यक्ति अधिकार पाकर अपने लोगों की सहायता करता है।
17. अंत भला तो सब भला = कार्य का अन्तिम चरण ही महत्त्वपूर्ण होता है।
18. आ बैल मुझे मार = जानबूझ कर मुसीबत में फंसना
19. आम के आम गुठली के दाम = हर प्रकार का लाभ/एक काम से दो लाभ
20. आँख का अंधा नाम नयन सुखः = गुणों के विपरीत नाम होना।
21. आगे कुआँ पीछे खाई = दोनों/सब ओर से विपत्ति में फँसना
22. आप भला जग भला = अपने अच्छे व्यवहार से सब जगह आदर मिलताहै।
23. आये थे हरि भजन को ओटन लगे = उद्देश्य से भटक जाना/श्रेष्ठ काम करने के पास की बजाए तुच्छ कार्य करना/कार्य विशेषकी उपेक्षा कर किसी अन्य कार्य में लग जाना।
24. आधा तीतर आधा बटेर = अनमेल मिश्रण/बेमेल चीजें जिनमें सामंजस्य का अभाव हो।
25. इन तिलों में तेल नहीं = किसी लाभ की आशा न होना
26. आठ कनौजिए नौ चूल्हे = फूट होना
27. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे = अपना अपराध न मानना औरपूछने वाले को ही दोषी ठहराना।
29. उल्टे बाँस बरेली को = विपरीत कार्य या आचरण करना
30. ऊधो का न लेना, न माधो का देना = किसी से कोई मतलब न रखना/ बसे अलग।
31. ऊँची दुकान फीका पकवान = वास्तविकता से अधिक दिखावा। दिखावा ही दिखावा। केवल बाहरी दिखावा।
32. ऊँट के मुँह में जीरा = आवश्यकता की नगण्य पूर्ति
33. ऊखली में सिर दिया तो मूसल = जब दृढ़ निश्चय कर लिया तो का क्या ड़रबाधाओं से क्या घबराना
34. ऊँट किस करवट बैठता है = परिणाम में अनिश्चितता होना।
35. एक पंथ दो काज =एक काम से दोहरा लाभ/एक तरकीब से दो कार्य करना/एक साधन से दो कार्य करना।
36. एक अनार सौ बीमार = वस्तु कम, चाहने वाले अधिक/ एक स्थान के लिये सैंकड़ों प्रत्याशी
37. एक मछली सारा तालाब गंदा =एक की बुराई से साथी भी बदनाम कर देहैं/होहैं।
38. एक म्यान में दो तलवारें नहीं = दो प्रशासक एक ही जगह एक समा सकतीसाथ शासन नहीं कर सकते।
39. एक हाथ से ताली नहीं बजती = लड़ाई का कारण दोनों पक्ष होते हैं।
40. एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा = बुरे से और अधिक बुरा होना/ एक बुराई के साथ दूसरी बुराई का जुड़ जाना।
41. कागज की नाव नहीं चलती = बेइमानी से किसी कार्य में सफलता नहीं मिलती।
42. काला अक्षर भैंस बराबर = बिल्कुल निरक्षर होना।
43. कंगाली में आटा गीला = संकट पर संकट आना।
44. कोयले की दलाली में हाथ काले =बुरे काम का परिणाम भी बुरा होता है/ दुष्टों की संगति से कलंकित होते हैं।
45. का वर्षा जब कृषि सुखानी = अवसर बीत जाने पर साधन की प्राप्ति बेकार है।

Chapter – 3

Active / Passive Voice of Verb

I	-	me
He	-	him
She	-	her
They	-	them
We	-	us
You	-	you
Name	-	Name
It	-	It

(1). Present indefinite:-

Active:-Sub.+ verb(1) + O(1) +O(2)

Passive:-O(1) + is/are/am + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- Active: I call him in the market.

Passive: He is called in the market by me.

Ex. :- Active: you help me in this work.

Passive: I am helped in this work by you.

Ex. :- Active: I invite her at my house.

She is invited at my house by me.

Negative :-

Active :- Sub.+ do not / does not + verb(1) + O(1) + O(2).

Passive:-O(1) + is/are/am + not + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- Active: she does not cook food for us.

Passive: Food is not cooked for us by her.

Ex.:- Active: I do not send them to my home.

Passive: They are not sent to my home by me.

Interrogative :-

Active :- Do/does+ sub. + verb(1) + O(1) + O(2)

Passive:-Is/are/am + O(1)+ verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- Active: Do I call him in the market.

Passive: Is he called in the market by me.

Ex.:- Active: Does he beat us with a stick.

Passive: Are we beaten with stick by him.

Ex.:- Active: Does Ram take me there.

Passive: Am I taken there by Ram.

Ex.:- Do you buy a house in Jaipur.

Passive: Is a house bought in Jaipur by you.

Interrogative negative :-

Active :- Do/does + sub.+ not + O(1) + O(2)

Passive:-Is/are/am +O(1) + not + verb(3) + O(2) + by+ sub.

Ex. :- Active: Does he not dig some holes in the ground.

Passive: Are some holes not dug in the ground by him.

Ex.:- Active: Do we not write a book for them.

Passive: Is a book not written for them by us.

Present continuous :-

Active :- Sub + is/are/am + verb(ing) + O(1)+O(2)

Passive:-O(1) + is/are/am +being + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- Active: I am driving a car in the ground.

Passive: A car is being driven in the ground by me.

Ex.:- Active: she is cooking food for us.

Passive: Food is being cooked for us by her.

Negative:-

Active :- sub. + is/are/am+ not + verb(ing) + O(1) + O(2)

Passive:-O(1) + is/are/am + not + being + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- Active : Ram is not planting some plants there.

Passive: Some plants are not being planted there by Ram.

Ex. :- Active : my father is not giving me some money.

Passive: I am not being given some money by my father.

Interrogative :-

Active :- Is/are/am + sub. + verb(ing) + O(1)+ O(2).

Passive:-Is/are/am + O(1) + being+ verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- Active : is she making a chair for us.

Passive:- Is a chair being made for us by her.

Ex.:- are you help me in this work.

Am I helped in this work by you.

Interrogative negative :-

Active :- Is/are/am + sub. + not + verb(ing) + O(1) +O(2)

Passive:- Is/are/am +O(1) +not + being + verb(3) + O(2) + by+ sub.

Ex.:- are you not lending me some money.
Am I not being lent some money by you.

Ex.:- is he not buying some books for us.
Are some books not being bought for us by him.

Rule No. -I :- object -2 से भी passive voice बनाया जा सकता है लेकिन केवल उस परिस्थिति में O(2) से passive बनाया जाता हों तों object -I को ज्यों का त्यों verb की 3rd form के बाद लिख दिया जाता है।
लेकिन उससे पहले To preposition का प्रयोग करते हैं।

Ex.:- Active : I am giving him some books.

Passive:- Some books are being given to him by me.

Ex.:- Active : we are not landing them a book.

Passive:- Book is not being lent to them by us (O(2) से)

Passive:- They are not being lent a book by us(O(1) से)

Present perfect tense :-

Active :- Sub. + has/have + verb(3) + O(1) + O(2)

Passive:-O(1) + has/have + been + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- she has provided him some books.
Some books have been provided to him by her. -O(2) से बनाया
He has been provided some books by her.-O(1) से बनाया.

Ex.:- He has seen me with Ram.
I have been seen with Ram by him.

Negative :-

Active :- sub.+ has/have + not + verb(3) + O(1) + O(2)

Passive:- O(1) +has/have + not + been + verb(3) + O(2) +by + sub.

Ex.:- He has not lent her some money.
She has not been lent some money by him.

Ex.:- she has not seen me with Ram.
I have not been seen me with Ram by her.

Interrogative :-

Active :- Has/Have + sub.+ verb(3) + O(1)+ O(2)

Passive :- Has/Have +O(1) +been + verb(3) + O(2) +by +sub.

Ex.:- Active :- Have you given them some books.

Passive :- Have they been given some books by you.- O(1) से बनाया

Passive :- Have some books been given to them by you. - O(2) से बनाया

Interrogative negative :-

Active :- Has/Have +sub. + not+ verb(3) + O(1)+ O(2).

Passive :- Has/Have + O(1) + not + been + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- Has Ram not planted some plants there.
Have some plants not been planted there by Ram.

Ex.:- Have you not invited them in this party.
Have they not been invited in this party by you.

Past indefinite :- सामान्यतः passive बनाते समय sub को by के साथ वाक्य के अंत में लिख दिया जाता है। लेकिन कुछ ऐसे Noun और Pronoun होते हैं। जिन्हे by के साथ वाक्य के अंत में लिखना जरूरी नहीं होता है। और यदि लिख देते हैं तो उन्हें गलत नहीं मानते हैं।
लेकिन परीक्षा में विकल्प में दो प्रकार से Answer दिए गए हैं तो जिस Answer में उन्हे by के साथ नहीं लिखा गया है। उसी Answer को सही मानेंगे।

जैसे :- police, Army, people, crowd, Mob, one, they.

Something	Someone	Somebody
Anything	Anyone	Anybody
Nothing	No one	Nobody
Everything	Everyone	Everybody

Active :- Sub. + verb(2) + O(1) +O(2)

Passive :- O(1) + was/were + verb(3) + O(2)+ by+ sub.

Ex.:- Active :- I gave them some money.

Passive :- Some money was given to them by me.(O(2) से बनाया)

Passive :- They were given some money by me.- O(1) से बनाया

Ex.:- Active :- police arrested the Thief in the market.

Passive :- The thief was arrested in the market by police.

Negative :-

Active :- sub+ did not + verb(1) + O(1)+ O(2)

Passive with (let)

Let से बनने वाले passive तीन प्रकार से बनाए जाते हैं।

Type-1 :- प्रथम प्रकार से बनने वाले passive में pronoun को बदला नहीं जाता है। उन्हें ज्यों का त्यों ही लिखते है। यानी me का I व he का him नहीं करते हैं।

Let से बनने वाले passive का प्रश्न verb की first form से शुरू होता है।

Active : Verb (1) + O(1) + O(2)

Passive : Let + O(1) + be + verb(3) + O(2)

Ex.:- Give me a gift.
Let me be given a gift.
Let a gift be given to me.

Ex.:- Bring a glass of water for me.
Let a glass of water be brought for me.

Ex.:- provide them my books.
Let them be provided my books.
Let my books be provided to them.

Type-2 :- दूसरे प्रकार से let से बनने वाले passive का प्रश्न do not से शुरू होता हों ।

Active : Do not + verb(1) + O(1) + O(2)

Passive : Let + O(1) + not + be + verb(3) + O(2)

सभी let से बनने वाले passive में pronoun नहीं बदलेंगे। उन्हें ज्यों का त्यों ही लिखा जाएगा।

Ex.:- Do not open the door for them.
Let the door not be opened for them.

Ex.:- Do not lend me some money.
Let me not be lent some money.
Let some money not be lent to me.

Type -3 :- तीसरे प्रकार से बनने वाले passive का प्रश्न भी let से शुरू होगा तथा passive भी let से शुरू होगा।

इसमें भी pronoun नहीं बदलेंगे

Let + O(1) + verb + O(2)

Let + O(2) + be + verb(3) + by + O(1)

Ex.:- let me do this work.
Let this work be done by me.

Ex.:- let her cook food.
Let food be cooked by her.

Ex.:- let them drive a car.
Let a car be driven by them.

Ex.:- Let Ram plant some plants
Let some plants be planted by Ram.

Passive with- (going to)

Active : Sub + is / am / are + going to + V1 + O1 + O2

Passive : O1 + is / am / are + going to+ BE + A shop is going to opened there by me

Ex- we are going to provide them your address
They are going to be provided your address by us

Passive with (there)

Note- there से बनने वाले passive का प्रश्न भी there से शुरू होगा और passive भी there से ही बनेगा।

Active : there + is/ are / was / were + O1 + to + V1 + O2

Passive : there + is/ are / was / were + O1 + to+ be + V3 + O2

NOTE- LET वाले passive की तरह ही इस passive में Pronoun नहीं बदलेगा

EX- there is a house to sale ram
There is a house to be sold ram

Ex- there are some letters to write for them
There are some letters be written for them

Passive with (it is time)

(1). It is time से बनने वाले passive का प्रश्न भी it is time से शुरू होगा और passive भी it is time से बनेगा।

(2).Passive बनाते समय it is time के ठीक बाद हमें ना होते हुए भी for preposition का प्रयोग करना होगा और उसके ठीक बाद objective -I को लिखा जाएगा।

Note:- let वाले passive की ही तरह इनमें भी pronoun नहीं बदलेंगे।

It is time + to + verb (1) + O(1) +O(2)

It is time + for + O(1) + to be + verb (3) + O(2)

Ex.:- it is time to call the doctor here.
It is time for the doctor to be called here.

Ex.:- it is time to dig some holes in the ground.
It is time for some holes to be dug in the ground.

Ex.:- it is time to lend them some money.
It is time for them to be lent some money.

Passive with (who)

Who + verb + O(1) + O(2)

By whom + H. V. + O(1) + verb (3) + O(2)

Ex.:- who is calling me in the market.
By whom am I being called in the market.

Ex.:- who make us fool.
By whom are made fool.

(ii) feeling happy
(iii) dispersal
(iv) not pleasant
Answer:- (iv) not pleasant

3.2 Answer the following.
(a) The massive peaks in PM (Particulate Matter) 2.5 and PM 10 (coarse pollution particles) on
the Diwali day made the observers worried. [True/False]
(b) Despite the Supreme Court ban on the sale of firecrackers, many people including school children were adamant to burst firecrackers on the Diwali Day. [True/False]
(c) In the run-up to D-Day in Delhi the sound of firecrackers gradually rose to a ....
(d) Delhi peaked to 656 .... per cubic metres around midnight.
Answer:
(a) True
(b) False
(c) crescendo
(d) micrograms

3.3 Find words from the passage which have a meaning similar to the following.
(a) unfavourable (paragraph 3)
(b) influencing (paragraph 4)
Answer:
(a) hostile
(b) impacting

5. Read the passage given below.
1. In six months, road users in Kathmandu, the capital of Nepal, have learned to cringe at using the car horn unnecessarily. "I feel embarrassed now when I occasionally blow the horn," said Rajaram Dangal, a hotel manager. "I feel like people are staring at me from all around." Clearly, the traffic police's slogan of "Let's be civilised, let's not use the horn" is working.
2. Making Dangal give up his instinctive action at the wheel has not been easy. Like in most old South Asian cities, horns seem a matter of life and death in Kathmandu, with its narrow, congested, pot holed roads. Pedestrians-and animals-cross the roads at will. There are no traffic lights and road dividers. And yet today, you only hear a few stray beeps on the street. Even these sound tentative and have none of the aggressive, let-me-through tone that you find in, say, Delhi.
3 The induction of a no-nonsense officer to head the traffic police, a ban on horns, strict vigilance, a fine of ? 500 (? 315 in Indian currency) and threat of public ignominy have brought a degree of silence on the noisy streets. Noise pollution had reached unhealthy highs in the Nepalese capital.
4. After clamping down on honking, 15,500 people have been hauled up. Sarbendra Khanal, traffic police chief, said this was achieved despite the cops having no mechanical device to pinpoint the horn sound.
5. And yet, the quietude of sorts is holding out." "It's early days still, but I feel mindsets are changing," Khanal was optimistic. The government's intent to change the street ambience was enunciated in no less than Khanal's selection to head the traffic police soon after the announcement of the ban. What did DIG Khanal bring to the table? He has little traffic experience. Rather, the officer has a reputation as an "encounter specialist", having crushed 109 criminal outfits in the Terai.
6. It isn't difficult to extrapolate Khanal's renown as a tough cop to the willingness of the people to fall in line. Roads are dense with motorcycles since car prices are prohibitive there.
7. Reining in these weaving, wailing two wheelers was the biggest challenge for Khanal and his team. However, it isn't all baton and threats. There is a continuing awareness drive, which to date has included 9,400 roadside gatherings, 1,230 sessions with bus and truck drivers and 1,680 visits to schools and colleges. The results are there to see or rather hear.
8 The success has proved that tough measures can be implemented.

4.1 On the basis of your reading of the passage, answer the following questions by choosing the best of the given choices.

Question(a)
The traffic police in Kathmandu
(i) has linked not blowing car horns to being civilized.
(ii) made strict rules against blowing horns.

(iii) has used multi-pronged strategy for controlling horn blowing by car drivers.
(iv) All of the above

Answer:
(iv) All of the above

Question-(b)
Not blowing horns on the streets of Kathmandu is a matter of life and death because
(i) it could lead to accidents.
(ii) the roads are narrow.
(iii) there are no road dividers.
(iv) None of these.

Answer:
(i) it could lead to accidents

Question(c)
That the people of Kathmandu are not blowing car horns shows that
(i) they are law abiding.
(ii) the strategy of strictness combined with educating the public has been successful.
(iii) the police chef's reputation as an encounter specialist is justified;
(iv) All of the above.

Answer:
(ii) the strategy of strictness combined with educating the public has been successful.

Question(d)
Sarbendra Khanal was chosen to be the chief of traffic police in Kathmandu because
(i) he had experience in controlling traffic.
(ii) he was an encounter specialist.
(iii) he was popular among people.
(iv) he was a no-nonsense officer

Answer:
(iv) he was a no-nonsense officer

Question (e)
'Extrapolate' in para 6 means
(i) estimate
(ii) make known
(iii) cringe at the car horn
(iv) alert the pedestrians

Answer: (i) estimate

Question (f)
'Reining' in para 7 means
(i) a lot of traffic
(ii) controlling
(iii) tough measures
(iv) intent to change

Answer:-(ii) controlling

4.2 Answer the following.
(a) Noise pollution had reached highs in the Nepalese capital.
(b) Roads are dense with motorcycles because car prices are there.
(c) The traffic police's slogan was, "Let's be civilised, let's not use the horn." [True/False]
(d) Khanal was a pessimistic, non-nonsense officer to head the traffic police in Kathmandu. [True/False]

Answer:
(a) unhealthy
(b) prohibitive
(c) True
(d) False

4.3 Find words from the passage which have a meaning similar to these:
(a) controlling (paragraph 6)
(b) short stick used by policemen, sportspersons (paragraph 7)

Answer:
(a) reining in
(b) baton

6. Read the following passage carefully.

1. Dr. A. P. J. Abdul Kalam, the eleventh president of India, was a great scientist, teacher and writer. He had written many books like 'Ignited Minds,' 'India 2020,' 'Mission India' and 'Wings of Fire'. He was a source of inspiration for the young and old alike. Here is an extract from 'Wings of Fire' which depicts his early life in his own words.

2. My parents, Jainulabdeen and Ashiamma were widely regarded as an ideal couple. My mother's lineage was the more distinguished, one of her forebears having been bestowed the title of 'BAHUDUR' by the British. I normally ate with my mother, sitting on the floor of the kitchen. She would place a banana leaf before me, on which she had ladled rice and aromatic sambhar, a variety of sharp home-made pickles and a dollop of fresh coconut chutney.

सेकंडरी मैमोरी डिवाइसेस उनके स्टोरेज के माध्यम एवं भण्डारण क्षमता

डिवाइस	स्टोरेज माध्यम	क्षमता
फ्लॉपी डिस्क (5.25 इंच)	मैंग्रेटिक	1.2 MB
फ्लॉपी डिस्क (3.5 इंच)	मैंग्रेटिक	80 KB to 1.44 MB
फ्लॉपी डिस्क (8 इंच)	मैंग्रेटिक	20 MB to 80 GB
CD-ROM	ऑप्टिकल	640MB to 680 MB
DVD-ROM	ऑप्टिकल	4.7GB to 17 GB
पेन ड्राइव	सॉलिड स्टेट	1 GB to 256 GB
मैंग्रेटिक टेप	मैंग्रेटिक	60 MB to 8 MB

अध्याय – 3

इनपुट और आउटपुट युक्तियां

कम्प्यूटर और मनुष्य के मध्य सम्पर्क (Communication) स्थापित करने के लिए इनपुट-आउटपुट युक्तियों का प्रयोग किया जाता है। इनपुट युक्तियों का प्रयोग कम्प्यूटर को डेटा और निर्देश प्रदान करने के लिए किया जाता है।

इनपुट डेटा को प्रोसेस करने के बाद, कम्प्यूटर आउटपुट युक्तियों के द्वारा प्रयोगकर्ता को आउटपुट प्रदान करता है। कम्प्यूटर मशीन से जुड़ी हुई सभी इनपुट-आउटपुट यूक्तियों को पेरीफेरल युक्तियाँ भी कहते हैं।

इनपुट युक्तियाँ (Input Devices)

वे युक्तियाँ, जिनका प्रयोग उपयोगकर्ता के द्वारा कम्प्यूटर को डेटा और निर्देश प्रदान करने के लिए किया जाता है, इनपुट युक्तियाँ कहलाती हैं। इनपुट युक्तियाँ उपयोगकर्ता से इनपुट लेने के बाद इसे मशीनी भाषा (Machine Language) में परिवर्तित करती हैं और इस परिवर्तित मशीनी भाषा को सीपीयू के पास भेज देती हैं।

कुछ प्रमुख इनपुट युक्तियाँ निम्न हैं-

1. की-बोर्ड (Keyboard)

की-बोर्ड एक प्रकार की मुख्य इनपुट डिवाइस है। की-बोर्ड का प्रयोग कम्प्यूटर को अक्षर और अंकीय रूप में डेटा और सूचना देने के लिए करते हैं। की-बोर्ड एक सामान्य टाइपराइटर की तरह दिखता है, इसमें टाइपराइटर की अपेक्षा कुछ ज्यादा कुंजियाँ (Keys) होती हैं। जब कोई कुंजी की-बोर्ड पर दबाई जाती है तो की-बोर्ड, की-बोर्ड कण्ट्रोलर और की-बोर्ड बफर से सम्पर्क करता है। की-बोर्ड कण्ट्रोलर, दबाई गई कुंजी के कोड़ को की-बोर्ड बफर में स्टोर करता है, और बफर में स्टोर कोड़ सी पी यू के पास भेजा जाता है। सी पी यू इस कोड़ को प्रोसेस करने के बाद इसे आउटपुट डिवाइस पर प्रदर्शित करता है। कुछ विभिन्न प्रकार के की-बोर्ड जैसे कि QWERTY, DVORAK और AZERTY मुख्य रूप से प्रयोग किए जाते हैं।

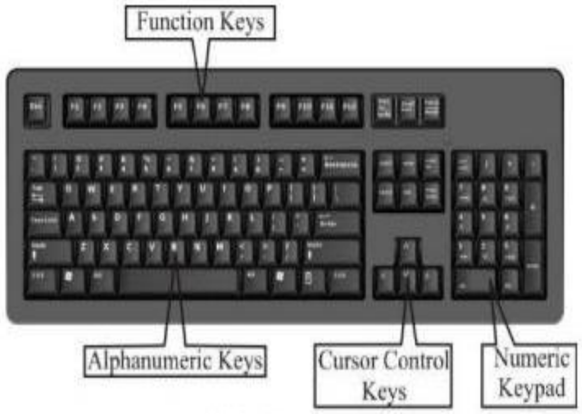

कीबोर्ड का लेआउट

की-बोर्ड में कुंजियों के प्रकार

की-बोर्ड में निम्न प्रकार की कुंजियाँ होती हैं।

(i) **अक्षरांकीय कुंजियाँ (Alphanumeric Keys)** इसके अंतर्गत अक्षर कुंजियाँ (A, B......, a, b, c,....., z) और अंकीय कुंजियाँ (0, 1, 2,9) आती हैं।

(ii) **अंकीय कुँजियाँ (Numeric Keys)** ये कुंजियाँ की-बोर्ड पर दाएँ तरफ होती हैं। ये कुंजियाँ अंकों (0, 1, 2, 9) और गणितीय ऑपरेटरों (Mathematical operators) से मिलकर बनी होती हैं।

(iii) **फंक्शन कुंजियाँ (Function Keys)** इन्हें प्रोग्रामेबल कुंजियाँ भी कहते हैं। इनके द्वारा कम्प्यूटर से कुछ विशिष्ट कार्य करवाने के लिए निर्देश दिया जाता है। ये कुंजियाँ अक्षरांकीय कुंजियों के ऊपर F1, F2, F12 से प्रदर्शित की जाती हैं।

(iv) **कर्सर कण्ट्रोल कुंजियाँ (Cursor Control Keys)** इसके अंतर्गत चार तीर के निशान वाली कुंजियाँ आती हैं जो चार दिशाओं (दाएँ, बाएँ, ऊपर, नीचे) को दर्शाती हैं। ये कुंजियाँ अक्षरांकीय कुंजियों और अंकीय कुंजियों के मध्य उल्टे T आकार में व्यवस्थित होती हैं, इनका प्रयोग कर्सर को ऊपर, नीचे, दाएँ या बाएँ ले जाने के लिए करते हैं। इन चारों कुंजियों के अतिरिक्त चार कुंजियाँ और होती हैं, जिनका प्रयोग कर्सर को कण्ट्रोल करने के लिए करते हैं।

ये कुंजियाँ निम्नलिखित हैं :-

(a) **होम (Home)** इसका प्रयोग लाइन के प्रारंभ में या डॉक्यूमेंट के प्रारंभ में कर्सर को वापस भेजने के लिए करते हैं।

(b) **एण्ड (End)** इसका प्रयोग कर्सर को लाइन के अन्त में भेजने के लिए करते हैं।

(c) **पेज अप (Page Up)** जब इस कुंजी को दबाया जाता है तो पेज का व्यू (View) एक पेज ऊपर हो जाता है और कर्सर पिछले पेज पर चला जाता है।

(d) **पेज डाउन (Page Down)** जब ये कुंजी दबाई जाती है तो पेज का व्यू एक पेज नीचे हो जाता है और कर्सर अगले पेज पर चला जाता है।

की-बोर्ड की अन्य कुंजियाँ

कुछ अन्य कुंजियाँ निम्नलिखित हैं :-

- **कण्ट्रोल कुंजियाँ (Control Keys-Ctrl)** ये कुंजियाँ, अन्य कुंजियों के साथ मिलकर किसी विशेष कार्य को करने के लिए प्रयोग की जाती हैं। जैसे Ctrl + S डॉक्यूमेंट को सुरक्षित (save) करने के लिए प्रयोग होती हैं।

- **एण्टर कुंजी (Enter Key)** इसे की-बोर्ड की मुख्य कुंजी भी कहते हैं। इसका प्रयोग उपयोगकर्ता द्वारा टाइप किए गए निर्देश को कम्प्यूटर को भेजने के लिए किया जाता है। एण्टर कुंजी टाइप करने के बाद निर्देश कम्प्यूटर के पास जाता है और निर्देश के अनुसार कम्प्यूटर आगे का कार्य करता है।

- **शिफ्ट कुंजी (Shift Keys)** की-बोर्ड में कुछ कुंजी ऐसी होती हैं, जिनमें ऊपर-नीचे दो संकेत छपे होते हैं। उनमें से ऊपर के संकेत को टाइप करने के लिए उसे शिफ्ट कुंजी के साथ दबाते हैं। इसे कॉम्बीनेशन-की भी कहा जाता है।

- **एस्केप कुंजी (Escape Key)** इसका प्रयोग किसी भी कार्य को समाप्त करने या बीच में रोकने के लिए करते हैं। यदि Ctrl Key दबाए हुए, एस्केप कुंजी दबाते हैं तो यह स्टार्ट मेन्यू (Start Menu) को खोलता है।

- **बैंक स्पेस कुंजी (Back Space Keys)** इसका प्रयोग टाइप किए गए डेटा या सूचना को समाप्त करने के लिए करते हैं। यह डेटा को दाएँ से बाएँ दिशा की ओर समाप्त करता है।

- **डिलीट कुंजी (Delete Keys)** इस कुंजी का प्रयोग कम्प्यूटर की मेमोरी से सूचना और स्क्रीन से अक्षर को समाप्त करने के लिए करते हैं। किन्तु यदि इसे शिफ्ट की (key) के साथ दबाते हैं तो चुनी हुई फाइल कम्प्यूटर की मेमोरी से स्थायी रूप से समाप्त हो जाती है।

- **कैप्स लॉक कुंजी (Caps Lock Key)** इसका प्रयोग वर्णमाला (Alphabet) को बड़े अक्षरों (Capital letters) में टाइप करने के लिए करते हैं। जब ये की सक्रिय (Enable) होती है तो बड़े अक्षर में टाइप होता है। यदि यह कुंजी निष्क्रिय (Disable) होती है तो छोटे अक्षर (Small Letter) में टाइप होता है।

- **स्पेसबार कुंजी (Spacebar Key)** इसका प्रयोग दो शब्दों या अक्षरों के बीच स्पेस बनाने या बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह की-बोर्ड की सबसे लम्बी कुंजी होती है।

- **नम लॉक की (Num Lock Key)** इसका उपयोग सांख्यिक की-पैड (Numeric Key pad) को सक्रिय या निष्क्रिय करने के लिए किया जाता है। यदि ये कुंजी सक्रिय होती है तो अंक टाइप होता है और यदि ये कुंजी निष्क्रिय होती है तो अंक टाइप नहीं होता है।

- **विंडो कुंजी (Window Key)** इसका प्रयोग स्टार्ट मेन्यू को खोलने के लिए करते हैं।

- **टैब कुंजी (Tab Key)** इसका प्रयोग कर्सर को एक बार में पाँच स्थान आगे ले जाने के लिए किया जाता है। कर्सर को पुनः पाँच स्थान वापस लाने के लिए टैब कुंजी को शिफ्ट कुंजी के साथ दबाया जाता है। इसका प्रयोग पैराग्राफ इण्डेंट करने के लिए भी किया जाता है।

➢ शिफ्ट कुंजी (Shift Key) इस कुंजी (Key) को दूसरी कुंजियों के साथ प्रयोग किया जाता है, इसलिए इसे संयोजन कुंजी (Combination) भी कहते हैं।

➢ कैप्स लॉक (Caps Lock) और नम लॉक (Num Lock) को टोगल कुंजी (Toggle Keys) कहते हैं क्योंकि जब ये दबाए जाते हैं तो इनकी अवस्थाएँ (States) परिवर्तित होती रहती हैं।

➢ QWERTY की-बोर्ड में कुल 104 कुंजी होती हैं।

इसकी सहायता से चित्र भी बना सकते हैं । यदि दो लोगों के कम्प्यूटर में वेब कैमरा लगा है, और कम्प्यूटर इंटरनेट से जुड़ा हुआ है, तो हम आसानी से एक-दूसरे को देखकर बातचीत कर सकते हैं ।

इन्हें भी जानें

- ऑप्टिकल माउस का आविष्कार माइक्रोसॉफ्ट ने वर्ष 1999 में किया था।
- स्कैनर ग्रे स्केल (Gray scale) और कलर मोड (Colour mode) दोनों में इमेज (Image) को स्टोर कर सकता है ।
- ड्रैग तथा ड्रॉप का तात्पर्य है कि माउस के बाएँ बटन को क्लिक किए रखना और माउस प्वांइटर को किसी दूसरे स्थान पर ले जाकर बाएँ बटन को छोड़ देना है ।
- OCR टेक्नोलॉजी का विकास अधिक शुद्धता से अक्षरों को पहचानने के लिए किया गया है। इसलिए इसे इण्टेलिजेन्स करैक्टर fchifi-yra (Intelligence Character Recognition-ICR) कहते हैं ।
- स्पीच रिकॉग्निशन सिस्टम, बोले हुए शब्दों को मशीन के पढ़ने लायक इनपुट में बदल देता है । इसका प्रयोग हवाई जहाज कॉकपिट में, Voice डायलॉग, सरल डेटा प्रविष्टि, स्पीच से टेक्स्ट प्रोसेसिंग में होता है ।

आउटपुट डिवाइस (Output Device)

- आउटपुट डिवाइस का प्रयोग कम्प्यूटर से प्राप्त परिणाम को देखने अथवा प्राप्त करने के लिए किया जाता है । आउटपुट डिवाइस आउटपुट को हार्ड कॉपी अथवा सॉफ्ट कॉपी के रूप में प्रस्तुत करते हैं । सॉफ्ट कॉपी वह आउटपुट होता है, जो उपयोगकर्ता को कम्प्यूटर के मॉनीटर पर दिखाई देता है, अथवा स्पीकर में सुनाई देता है। जबकि हार्ड कॉपी वह आउटपुट होता है, जो उपोयगकर्ता को पेपर पर प्राप्त होता है ।
- कुछ प्रमुख आउटपुट डिवाइसेज निम्न हैं, जो आउटपुट को हार्ड कॉपी या साफ्ट कॉपी के रूप में प्रस्तुत करते हैं ।

1. मॉनीटर (Monitor)

- मॉनीटर को विजुअल डिस्प्ले डिवाइस (Visual Display Device VDU) भी कहते हैं । मॉनीटर कम्प्यूटर से प्राप्त परिणाम को सॉफ्ट कॉपी के रूप में दिखाता है । मॉनीटर दो प्रकार के होते हैं, मोनोक्रोम मॉनीटर डिस्प्ले और कलर डिस्प्ले मॉनीटर । मोनोक्रोम डिस्प्ले मॉनीटर टेक्स्ट को डिस्प्ले करने के लिए एक ही रंग का प्रयोग करता है और कलर डिस्प्ले मॉनीटर एक समय में 256 रंगो को दिखा सकता है ।
- मॉनीटर पर चित्र छोटे-छोटे बिन्दुओं (Dots) से मिलकर बनता है। इन बिन्दुओं को पिक्सल्स (Pixels) के नाम से भी जाना जाता है। किसी चित्र की स्पष्टता (Clarity) तीन तथ्यों पर निर्भर करती है।

(I) स्क्रीन का रिजोल्यूशन (Resolution of Screen) किसी मॉनीटर का रिजोल्यूशन उसके क्षैतिज (Horizontal) और ऊर्ध्वाधर (Vertical) पिक्सल्स की संख्या के गुणनफल के बराबर होता है। किसी मॉनीटर की रिजोल्यूशन जितनी अधिक होगी, उसके पिक्सल उतने ही नजदीक होंगे और चित्र उतना ही स्पष्ट होगा ।

(II) डॉट पिच (Dot Pitch) दो कलर्ड पिक्सल के विकर्णों के बीच की दूरी को डॉट पिच (Dot Pitch) कहते हैं । यदि किसी मॉनीटर की डॉट पिच कम-से-कम हो तो उसका रिजोल्यूशन अधिक होगा तथा उस मॉनीटर में चित्र काफी स्पष्ट होगा ।

(III) रिफरेश रेट (Refresh Rate) एक सेकंड में कम्प्यूटर का मॉनीटर जितनी बार रिफरेश होता है, वह संख्या उसकी रिफरेश रेट कहलाती है। ज्यादा-से-ज्यादा रिफरेश करने पर स्क्रीन पर चित्र ज्यादा अच्छे और स्पष्ट दिखाई देते हैं ।

कुछ प्रमुख प्रयोग में आने वाले मॉनीटर निम्न हैं

(i) कैथोड रे ट्यूब (Cathode Ray Tube-CRT)

- यह एक आयताकार बॉक्स की तरह दिखने वाला मॉनीटर होता है। इसे डेस्कटॉप कम्प्यूटर के साथ आउटपुट देखने के लिए प्रयोग करते हैं । यह आकार में बड़ा तथा भारी होता है ।

सीआरटी

- सीआरटी इसकी स्क्रीन में पीछे की तरफ फॉस्फोरस की एक परत लगाई जाती है । इसमें एक इलेक्ट्रॉन गन (Electron gun) होती है । CRT में एनालॉग डेटा को इलेक्ट्रॉन गन के द्वारा मॉनीटर की स्क्रीन पर भेजा जाता है। इलेक्ट्रॉन गन एनालॉग डेटा को इलेक्ट्रॉन्स में परिवर्तित करता है तथा । इलेक्ट्रॉन ऊर्ध्वाधर तथा क्षैतिज प्लेट्स के बीच में होते हुए फॉस्फोरस स्क्रीन पर टकराती है । इलेक्ट्रॉन स्क्रीन पर जिस जगह टकराती है उस जगह का फॉस्फोरस चमकने लगता है और चित्र दिखाई देने लगता है ।

(ii) एलसीडी (Liquid Crystal Display-LCD)

- LCD एक प्रकार की अधिक प्रयोग में आने वाली आउटपुट डिवाइस है । यह CRT की अपेक्षा काफी हल्का किन्तु महँगा आउटपुट डिवाइस है । इसका प्रयोग लैपटॉप में, नोटबुक में, पर्सनल कम्प्यूटर में, डिजिटल घड़ियों आदि में किया जाता है । LCD में दो प्लेट होती हैं । इन प्लेटों के बीच में एक विशेष प्रकार का द्रव (Liquid) भरा जाता है ।

एलसीडी

चार्ट के प्रकार - प्रदर्शन के आधार पर चार्ट दो प्रकार के होते हैं -

1. **एम्बेडेड चार्ट**- वह चार्ट जो वर्कशीट में ही सेल्स पर इन्सर्ट किया जाता है । वर्कशीट पर इन्सर्ट किए गए किसी ऑब्जेक्ट की तरह ही आप इस चार्ट को भी इसके डाटा के साथ प्रिंट कर सकते हैं।
2. **शीट चार्ट**- वह चार्ट जिसके लिए एक पृथक चार्टशीट का निर्माण होता है । इस शीट में कॉलम व पंक्तियां नहीं होती हैं, बल्कि केवल चार्ट होता है ।

चार्ट के प्रकार

- कॉलम चार्ट (Column Chart)
- लाइन चार्ट (Line Chart)
- पाइ चार्ट (Pie Chart)
- बार चार्ट (Bar Chart)
- क्षेत्र चार्ट (Area Chart)
- स्कैटर चार्ट (Scatter Chart)
- स्टॉक चार्ट (Stock Chart)
- सतह चार्ट (Surface Chart)
- डोनट चार्ट (Doughnut Chart)
- बबल चार्ट (Bubble Chart)
- राडार चार्ट (Radar Chart)

Shortcut Keys

स्प्रेडशीट को बनाना, खोलना, सेव करना, प्रिंट करना।

Ctrl + N	नई खाली (Worksheet) बन जाती हैं।
Ctrl + S	वर्तमान वर्कबुक/स्प्रेडशीट Save हो जाती है।
Ctrl + W	वर्तमान स्प्रेडशीट Close हो जाती हैं परन्तु MS Excel Close नहीं होता ।
Ctrl + F4	MS Excel या वर्तमान खुली हुई Application Close हो जाती है ।
Ctrl + P	'Open Dialog Box' खुल जाता हैं यहां जाकर हम किसी पुरानी Save की हुई स्प्रेडशीट को खोल सकते हैं।
Ctrl + F12	'Save as Dialog Box' खुल जाता हैं। यहां जाकर हम वर्तमान वर्कबुक या स्प्रेडशीट को कोई अन्य नाम से Save कर सकते हैं।

नेविगेशन (Nevigation) करना, Select करना

Arrow Keys →, ←, ↑, ↓	• वर्तमान सेल से दायें, बायें ऊपर, नीचे (क्रमशः) के सेल में जाने हेतु।
Ctrl + Arrow Keys	• वर्तमान सेल से स्प्रेडशीट के किसी भी दिशा में अंतिम भरे हुए सेल में जाने हेतु ।
Tab	• वर्तमान सेल के अगले सेल (दायां तरफ) में जाने हेतु ।
Shift + Tab	• वर्तमान सेल के पिछले सेल (बायां तरफ) में जाने हेतु ।
Ctrl + Home	• स्प्रेडशीट के प्रथम सेल A1 में जाने हेतु ।
Ctrl + End	• स्प्रेडशीट के अंतिम भरे हुए सेल में जाने हेतु ।
Home	• वर्तमान Row के प्रथम (सबसे बायें) सेल में जाने हेतु ।
Ctrl + PgDn	• अगली शीट में जाने हेतु ।
Ctrl + Pg UP	• पिछली शीट में जाने हेतु ।
Ctrl + F6	• खुली हुई वर्कबुकों (स्प्रेडशीटों) में मध्य स्विचर करने हेतु ।
Ctrl + Space	• वर्तमान कॉलम पूरा Select करने हेतु ।
Shift + Space	• वर्तमान रो पूरी Select करने हेतु ।
Ctrl + A	• पूरी स्प्रेडशीट Select करने हेतु ।

संपादन (Editing) करना

Enter	**वर्तमान सेल में की जा रही Entry Complete करने हेतु ।**
F2	• वर्तमान सेल में Edit करने हेतु ।
Esc	• चालू Editing को Cencel करने हेतु ।
Ctrl + C	• Select किए हुए सेल को Copy करने हेतु ।
Ctrl + X	• Select किए हुए सेल को Cut करने हेतु ।
Ctrl + V	• सबसे हाल ही के Cut या Copy किए हुए सेल को स्प्रेडशीट में Paste करने हेतु ।
Ctrl + Z	• अंतिम/आखिरी क्रिया (Previous Action) को पूर्ववत् (Undo) करने हेतु ।
Ctrl + Y	• पूर्ववत् की गई क्रिया को वापस पलटने (Redu) हेतु ।
F4	• आखिरी क्रिया दोबारा (Repeat) करने हेतु ।

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न, 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न, 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न, 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

FREE SAMPLE

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE